बच्चन के ले बाइबिल देत है

नूह और महान बाढ़

द्वारा लिखतः Edward Hughes
द्वारा चित्रः Byron Unger; Lazarus

द्वारा अनुवाद करो गयोः
द्वारा अनुकूलः M. Maillot; Tammy S.

६० की कहानी में से 3

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

लाइसेंसः तुमई जा कहानी को पात्रिका या छापन को अधिकार है, जब तक तुम जाई बेचत नाइ हो।

कन्नौजी Kannauji

... फिर वा जहाज़ माँ तुम्हारे परिवार के ले और जानवर के रहान के ले हुई जऊ नूह को आदेश दयो गयो हतो, और परमेश्वर ने नूह को बिलकुल सही निर्देश दयो तब नूह काम माँ ब्यस्त हुईगए |

3

लोगन ने सायद कही हुई की नूह जउ का बनाऊत और जो एक जहाज़ काए बनाउत हो | पर नूह ने काम करनो बंद नाहीं करो | और लोगन को परमेश्वर के बारे माँ बताउत रहे | लेकिन किसउ ने नाही सुनी |

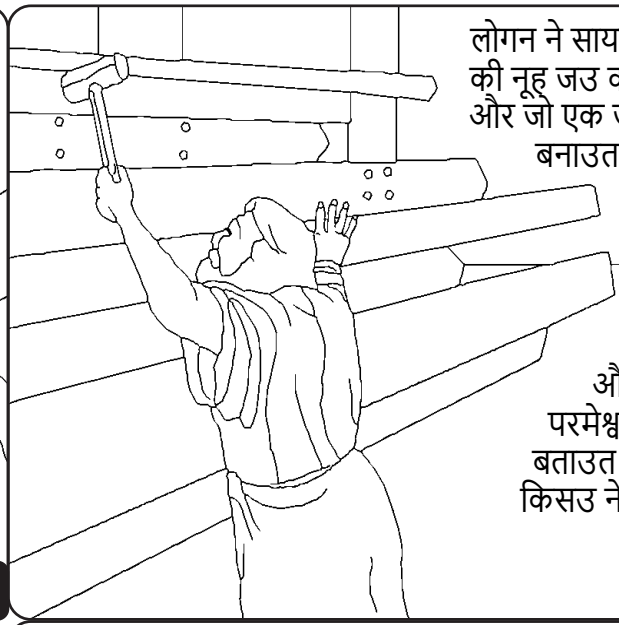

4

नूह को बहुत बिस्वास हतो वे ही परमेश्वर पर बिस्वास बारिश होन से पहले ही कत्त हते | तब जहाज़ पानी से भरन के ले तयार हुई गो |

5

तब जानवरन मई से कुछ सात प्रकार की प्रजाति लाए | और अन्य अन्य मई से दुई दुई छोटे और बड़े पछियान मई से और जानवर मई से दुई दुई छोटे और बड़े के ले जहाज़ माँ जान के ले रास्ता बनाई दई |

6

तब सायद लोग नूह से अपमानित हुई गए | क्योंकि उन्ने जानवरन को जहाज़ मा जात भय देखो, लेकिन तहूँ उन्ने परमेश्वर के बिरुध पाप कारीबो बंद नाई करो | और नाहीं उन्ने जहाज़ माँ जान केले पूछी |

7

अंत माँ सब जानवर और सब नायछपिकउ जहाज़ मा सवार होन के ले कहीं, परमेश्वर ने नूह को बुलाई के कही की तुम और तुम्हारो परिवार नूह की पत्नी और तुम्हारो बेटा और उनकी पत्निया सब जहाज़ माँ जाए | तब परमेश्वर ने दरवाज़ा बंद करदो |

8

फिर बारिश
होन लगी और
बड़ी बारिश
चालीश दिन और चालीस रात
तक पृथ्वी पर होती रही | पृथ्वी पानी से
भर गई | बाड़ के पानी से क़स्बा और
गाँव डूबी गए तब बारिश बंद हुईगई और
पानी से पहाड़ तक डूबी गए हते | तब जित्ते
सांस लें वाले हते वे सब मरि गए |

9

जैसे जैसे पानी बढ़त गयो
जहाज़ पानी के ऊपर तेहरन
लगो और शायद जहाज़ के
भीतर अन्धोरो हुई और हुई
सकत बाके भीतर घुटन या
डरावनो लगत हुई | लेकिन
जहाज़ ने बाड से नूह को
बचाई दो |

10

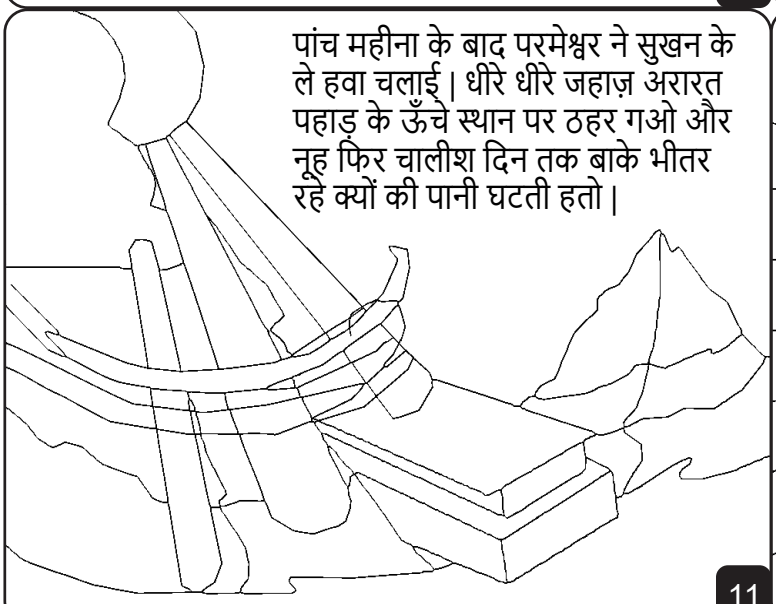

पांच महीना के बाद परमेश्वर ने सुखन के
ले हवा चलाई | धीरे धीरे जहाज़ अरारत
पहाड़ के ऊँचे स्थान पर ठहर गओ और
नूह फिर चालीश दिन तक बाके भीतर
रहे क्यों की पानी घटती हतो |

11

फिर नूह ने जहाज़ की खिडकिया खोल के एक कौआ और कवुत्तर
को निकार दो |

उन्ई
रुकन के ले
सुखी जगह नाइ मिली
लेकिन कवुत्तर नूह के तीर
लौटी आओ | एक हफ्ता के
बाद नूह ने फिर से कोशिश
कारी | तब कबूत्तर अपनी चोंच
माँ एक नयो जैतून को पत्ता संग
लई के वापस लौटी आयो |
फिर अगले हफ्ता माँ
कबूत्तर लौट के
नाइ आयो |

12

तब परमेश्वर ने नूह को बताओ की अब जहाज़
छोड़ देन को समय है और नूह और बाके
परिवार ने जानवरन को उतरा दो |

13

तब नूह कितने
आभारी महसूस
कत्त हुई |

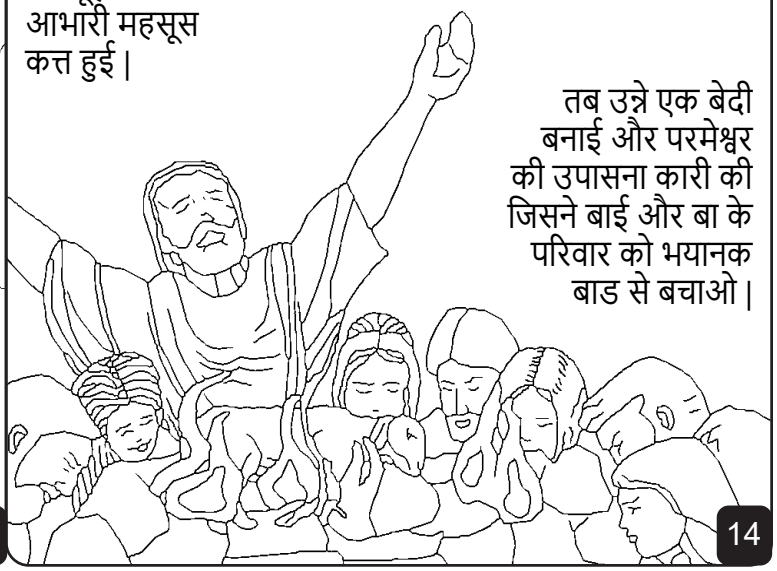

तब उन्ने एक बेदी
बनाई और परमेश्वर
की उपासना कारी की
जिसने बाई और बा के
परिवार को भयानक
बाड से बचाओ |

14

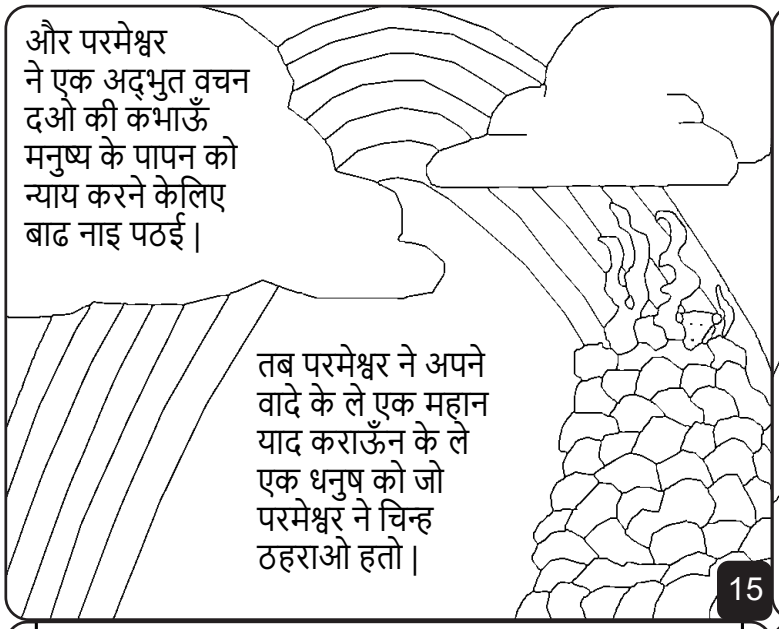

15

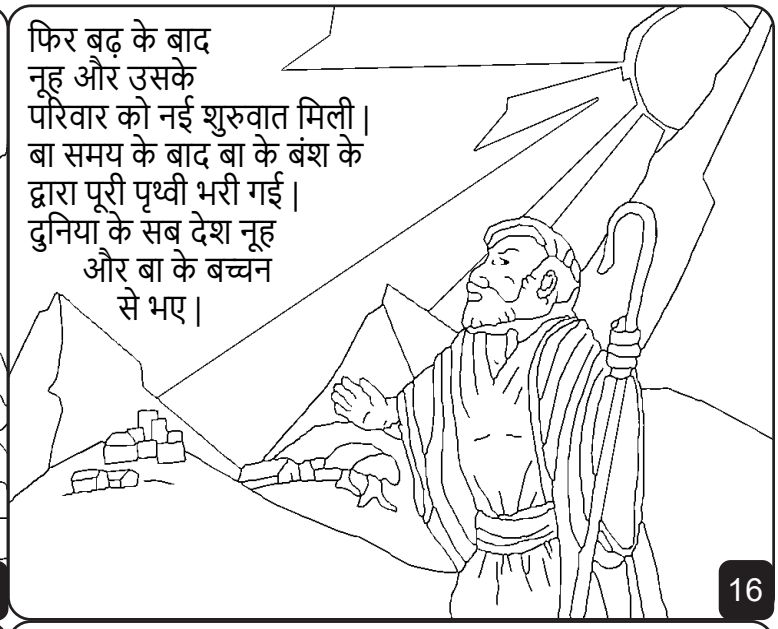

16

नूह और महान बाढ़

परमेश्वर के वच्चन से बाइबिल की एक कहानी

में पायी जाती है

उत्पत्ति 6-10

"तुमहोर शब्द के प्रवेश से रोशनी मिल्त है |"
भजन ११९:१३०

परमेश्वर जान्त हैं की हम सब ने बुरे काम
करें हैं | जिन्हें वे पाप कहत हैं | पाप को दंड मृत्यु है |

परमेश्वर हमें बहुत प्रेम करत हैं उसने अपने बेटा यीशुको
कृश पर मरन और हमारे पाप के दंड को भोगन केलिए
भेजो | यीशु जिंदा हुआ और स्वर्ग पर चलेगये | अब
परमेश्वर हमारे पाप को क्षमा कर सकत हैं |

अगर तुम अपने पाप से मुड़नो चाहत हो तो जा परमेश्वर से कहो:
प्रिय परमेश्वर हमारो मननो है की यीशु हमरा ले मारेगये और आब
फिरसे जिंदा होई गएँ | कृपया मेरी जिंदिगी मा आई के मेरे पापों को
मॉफ करो | इस ले आब हम नव जीवन पाई सकत हैं और फिर
तुम्हारे संगे हमेशा के ले रहीं | अपने वच्चन के रूप मा मेरी सहायता
करो | अमीन | यहुना ३:६

बाइबिल पढो और हर दिन परमेश्वर से बातें करो!